रोडवेज निगम में नौ साल बाद 5200 पदों पर होगी भर्ती, अगस्त तक प्रक्रिया संभव

सुरेंद्र चिराना | सीकर

प्रदेश में 22411 पद स्वीकृत, इनमें ज्यादा पद ड्राइवर-कंडक्टर के रिक्त

कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे राजस्थान रोडवेज निगम ने खाली पदों पर भर्ती की तैयारी कर ली है। निगम ने करीब 5200 खाली पदों पर भर्ती का प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भिजवाया है। प्रस्ताव के अनुसार 3000 से ज्यादा चालक-परिचालक व शेष अन्य पदों पर भर्ती की जाएगी। यदि जून अंत तक वित्त विभाग की मंजूरी मिलती है तो अगस्त तक निगम खाली पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू करेगा।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान रोडवेज पथ परिवहन निगम में वर्ष 2013 के बाद खाली पदों पर भर्ती नहीं हुई है। इसका नतीजा ये है कि प्रदेशभर में चार हजार से ज्यादा चालक-परिचालकों के पद खाली हो चुके हैं। छह हजार से ज्यादा अधिकारी, कर्मचारी व इंजीनियर आदि के पद खाली हैं। खाली पदों को भरने के लिए रोडवेज से कर्मचारी संगठन लंबे समय से मांग रहे थे।

राजस्थान रोडवेज में प्रदेशभर में 22411 कर्मचारियों के पद स्वीकृत हैं। इनमें 10437 पद खाली हैं। सबसे ज्यादा ड्राइवर-कंडक्टर के पद हैं। इनमें ड्राइवरों के 2839 व कंडक्टर के 1302 पद खाली हैं। वर्कशॉप इंजीनियर व हेल्पर के पद भी बड़ेस्तर पर लंबे समय से खाली हैं। इधर, लंबे समय से भर्ती नहीं होने और पहले से कार्यरत कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के बाद रोडवेज के नियमित कर्मचारी पर परेशान हैं। क्योंकि बस स्टाफ की कमी के चलते ज्यादातर कर्मचारियों को महीनों तक साप्ताहिक अवकाश नहीं मिल रहे हैं। कई कर्मचारियों को 12 से 18 घंटे तक ड्यूटी करनी पड़ रही है।

निगम को चाहिए दो हजार से ज्यादा बस, जबकि टेंडर भी निरस्त हो चुका : राजस्थान रोडवेज को प्रदेश में इस वक्त दो हजार से ज्यादा बसों की जरूरत है। निगम के पास फिलहाल 2915 बस हैं। उनमें भी 1522 गाड़ी अवधिपार हो चुकी हैं, जबकि यात्रीभार के अनुसार प्रदेश में रोडवेज को पांच हजार से ज्यादा बस चाहिए। चूंकि करीब तीन हजार बस हैं। ऐसे में दो हजार बस और चाहिए।

कुछ दिन पहले 500 गाड़ियों के लिए मांगे गए टेंडर भी निरस्त हो चुके हैं। राज्य सरकार ने रोडवेज बसों में 37 तरह की श्रेणी में छूट दे रखी है। इस छूट का दायरा बढ़ने से रोडवेज में यात्रीभार भी बढ़ा है। ऐसे में यात्रियों को मैनेज करना मुश्किल हो रहा है।

वित्त विभाग की मंजूरी मिलते ही प्रक्रिया शुरू करवा देंगे

रोडवेज में खाली पदों पर भर्ती के लिए प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भिजवाया गया है। फाइल को वित्त विभाग की स्वीकृति मिलते ही निगम के द्वारा भर्ती की प्रक्रिया शुरू करवा दी जाएगी।

***नथमल डिडेल,** एमडी राजस्थान रोडवेज*

लंबे समय से रोडवेज में ड्राइवर-कंडक्टरों की भर्ती नहीं होने से बसों की संचालन व्यवस्था भी गड़बड़ाने लगी है। क्योंकि, रोडवेज का यात्रीभार 9 साल के दौरान बढ़कर दोगुना हो चुका है। निगम के पास बसों के संचालन के लिए नियमित स्टाफ नहीं है। ऐसे हालात में प्रबंधन ने कई मार्गों पर बसों का संचालन कम कर दिया है। नियमित स्टाफ नहीं मिलने से आए दिन गाड़ी ब्रेकडाउन करनी पड़ रही है।